Fortnightly per copy Rs. 4/- ओ३म् 18th December 2020

आर्य   जीवन

ఆర్య జీవన్

संस्कृति संरक्षण व सामाजिक परिवर्तन का संकल्प

హిందీ-తెలుగు ద్విభాషా పక్ష పత్రిక

Date of Publication 2nd and 17th of every Month, Date of Posting 3rd and 18th of every Month

हृत्सु पीतासो युध्यन्ते दुर्मदासो न सुरायाम् ।
ऊर्धन नग्ना जरन्ते ।।

-ऋग्वेद ८-२-१२

शब्दार्थ :- हृत्सु-दिल खोलकर, **पीतासो**-शराब पीये हुए शराबी, **युद्धयन्ते**-लड़ते-झगड़ते हैं, **दुर्मदासः न**-पागल बने हुए के समान, सुरायाम्-शराब के नशे में धुत्त होकर, **ऊर्धः न**-जैसे बहुत अधिक आनन्द से विभोर व्यक्ति बोलता है वैसे शराबी, **नग्ना**-नंगे होकर, **जरन्ते**-बड़-बड़ाते हैं ।

भावार्थ-एक बहुत बड़ा आश्चर्य देखने में आता है कि इस धरती पर जितने भी देश हैं और उन देशों में जितने भी मत-पंथ, सम्प्रदाय हैं, जितनी भी जातियाँ जिस किसी भी सिद्धान्त को मानने वाली हैं उनमें से अधिकांश एक स्वर में मद्यपान को बुरा मानती हैं । ईसाई, मुस्लिम, हिन्दू, यहूदी, पारसी, बौद्ध, जैन आदि के सभी बाईबल, कुरान, वेद आदि ग्रन्थों में शराब को अधर्म, पाप, बुरा कहा गया है । फिर भी इन सभी मतपंथों को मानने वाले निशंक, निर्भीक होकर खुले आम, सार्वजनिक स्थानों पर, घरों में, पार्टियों में, यहाँ तक कि धर्म स्थलों में भी शराब पीते हैं ।

पाश्चात्य देशों के प्रत्येक नगर, गाँव में पदे-पदे पब (मयखाने) अर्थात् शराबकी दुकानें बनी हुई हैं । वहाँ २४ घण्टे जब भी कोई चाहे शराब पी सकता है, जैसे हमारे देश में चाय का प्रचलन है । विदेशी पाश्चात्य देशों की स्थिति को छोड़िये, हम आज अपने देश की बात करते हैं । यहाँ पर भी हजारों कारखानें, भट्टियाँ दिन-रात लाखों लिटर शराब बनाती हैं । सरकार उनसे कर वसूल करती है उनको निर्माण करने का अधिकार पत्रदे रखा है । विचित्र बात तो यह है कि सरकार एक तरफ शराब को हानिकारक बता कर पत्र, पत्रिकाओं, पोस्टरों, टी.वी. आदि के माध्यम से बड़े-बड़े विज्ञापन निकालती है कि शराब न पीयें, दूसरी तरफ प्रति वर्ष हजारों की संख्या में शराबके ठेके-दुकानें खुलवाती है और इससे भी बड़ा आशर्च्य यह है कि प्रतिदिन लाखों व्यक्ति जिस शराब को पीते हैं उन पर लिखा होता है कि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ।

वेद मन्त्र में स्पष्ट लिखा है कि मद्यपान करने से सर्व प्रथम मनुष्य की बुद्धि नष्ट होती है । क्योंकि यह शराब तमोगुणी है । अन्न, फल, रस, शाक आदि को गला-सड़ा कर इसे बनाया जाता है । तमोगुण युक्त शराब का सेवन करने से मनुष्य भी तमोगुणी बन जाता है । शराबी व्यक्ति हानि-लाभ, उचित-अनुचित, कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य, न्याय-अन्याय का विवेक खो देता है । नशे में चूर होकर शराब पीने वाला अपशब्द बोलता है, मार-पिटाई करता है, धन न मिलने पर चोरी करता है, डाका डालता है, हत्याएँ करता है, शिष्टता, भद्रता, शालीनता, सभ्यता को छोड़कर उद्दण्डी, असभ्य, क्रूर, हिंसक बन जाता है । ऐसी घटनाएँ समाजों, गाँवों, नगरों, देश में सर्वत्र देखी जा सकती हैं । लाखों परिवार आज शराब पीनेवालों के कारण दुःखी हैं, अनेक परिवार बर्बाद हो गये हैं । प्रति वर्ष शराब के कारण देश में लाखों व्यक्ति जवानी में, छोटी उम्र में ही टी.बी., कैन्सर, लीवर की खराबी आदि रोगों से ग्रस्त होकर जीवनलीला समाप्त कर देते हैं ।

वैदिक राज्य व्यवस्था के काल में तो पूरे साम्राज्य में एक भी शराबी नहीं होता था, ऐसा आश्वासन राजा देता था । ईसाई मत में भी मद्यका निषेध है, ''यदि तुम परमपिता परमेश्वर के स्थान अर्थात् गिरजाघर जाने वाले हो तो कभी मद्यपान नहीं करना, न अपनी सन्तान को ऐसा करने देना ।''

इस्लाम मत में भी स्पष्ट निर्देश है कि, ''शराब पर, पीने और पिलाने वाले पर, बेचने और खरीदने वाले पर, किसी भी प्रकार से सहयोग देने वाले पर अल्लाह ने लानत फरमाई है ।''

जैन मत में कहा गया है कि, ''शराब के अधीन होकर मनुष्य तरह-तरह के निन्दनीय कर्म करता है । उसे इस लोक में भी अनेक दुःख भोगने पड़ते हैं और परलोक में भी ।''

बौद्ध धर्म के संदेश में कहा गया है कि, ''मनुष्यों ! तुम किसी अन्य से भयभीत न होना किन्तु शराब से सदा भयभीत रहना क्योंकि वह पाप और अनाचार की जनती है ।''

सिख मत में कहा गया है कि, ''शराब का सेवन करने वाले जो तीर्थ, व्रत, नियम आदि अच्छे-अच्छे धर्म कार्य करते हैं वे सब नष्ट हो जाते हैं ।''

महात्मा गाँधी जी ने कहा था कि, ''मैं मद्यपान को चोरी, वेश्यावृत्ति से भी अधिक निन्दनीय मानता हूँ, क्योंकि वह इन दोनों की जननी है । देशवासियों को चाहिए कि मिलकर शराब की दुकानों को नष्ट करा देवें ।

आज विश्व के मानव समाज में जो सब प्रकार का आध्यात्मिक, शारीरिक, नैतिक पतन हुआ है इसका एक बड़ा कारण मद्यपान का अधिकाधिक प्रसार होना है । इसी भयंकर महान् दोश के कारण मनुष्योंके जीवन में उत्तम-उत्तम गुणों का ह्रास हो गया है और अनेक प्रकार की बुराइयां घर कर गयी हैं ।

परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि वह शराबी व्यक्तियों के मन में इस प्रकार की प्रेरणा करे कि वे इस सर्व सुखों का नाश करने वाले कुव्यसन से छूट जायें और अपने जीवन को पवित्र बनाकर स्वयं सुखी बनें तथा अन्यों को भी सुखी बनावें ।

सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के कार्यकारी प्रधान कर्मठ

आर्यनेता श्री राम सिंह आर्य जी का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा आ.प्र. -तेलंगाना की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

एक सच्चा साथी व कर्मठ कार्यकर्ता को आर्य समाज ने खो दिया-प्रो. विट्ठल राव आर्य

श्री राम सिंह आर्य जी की स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अर्पित किये श्रद्धा सुमन

विभिन्न स्थानों पर निरन्तर श्रद्धांजलि सभाओं का हो रहा है आयोजन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली के उपमंत्री तथा आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के कार्यकारी प्रधान, आर्य वीरदल राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष और विभिन्न आन्दोलनों से जुड़े प्रसिद्ध समाजसेवी श्री राम सिंह आर्य जी का २ नवम्बर, २०२० को मथुरादास माथुर अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे ७२ वर्ष के थे। शहर विधायक मनीषा पंवार के पूज्य पिता तथा क्रांतिकारी विचारक श्री राम सिंह आर्य जी लगभग एक माह से अस्वस्थ चल रहे थे। बाद में वे कोरोना से भी ग्रसित हो गये। श्री राम सिंह आर्य युवाओं के प्रेरणास्रोत थे, वे कुशल संगठक एवं जुझारू आर्यनेता थे। उन्होंने जातिवाद, छुआछूत व भेदभाव मिटाने के लिए कठिन संघर्ष किया था। वे एक लेखक, ओजस्वी वक्ता तथा आर्यनेता के रूप में प्रसिद्ध थे। उन्होंने आर्य युवा संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

श्री राम सिंह आर्य जी का अन्तिम संस्कार ३ नवम्बर, २०२० को कागा श्मशान घाट पर सैकड़ों व्यक्तियों की उपस्थिति में पूर्ण वैदिक रीति से किया गया। इससे पूर्व मोहनपुरा स्थित स्मृति भवन से उनकी शव-यात्रा एक जुलूस के रूप में निकाली गई जिसमें आर्य वीरदल जोधपुर की पूरी टीम श्वेत ड्रेस में साथ चल रही थी, उनके अतिरिक्त सैकड़ों व्यक्ति जय घोष के नारे लगाते हुए शव-यात्रा में शामिल थे। अन्तिम संस्कार में छोटे भाई जितेन्द्र

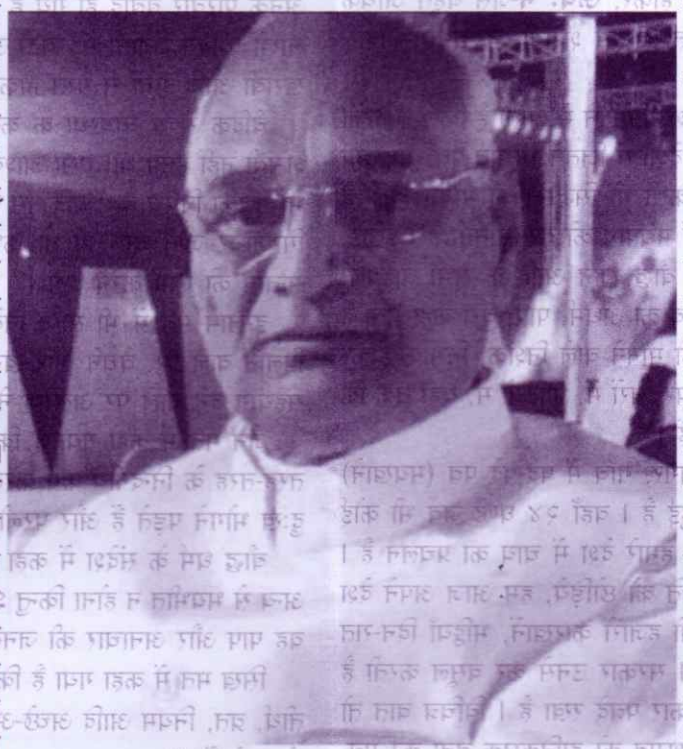

सिंह, बड़ी सुपुत्री शहर विधायक श्रीमती मनीषा पंवार एवं उनके पति श्री दीपक सिंह, छोटी सुपुत्री श्रीमती हिमांशी आर्या एवं उनके पति श्री अमित सिंह, भतीजे श्री मानवेन्द्र सिंह एवं श्री यादवेन्द्र सिंह, दोहिते श्री कुलवंत सिंह एवं श्री यश वर्धन सहित परिवारजनों ने मुखाग्नि दी।

श्री राम सिंह आर्य के निधन पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, विधायक श्री पुखराज गर्ग, श्री पवन मेहता, श्री शम्भू सिंह मेड़तिया, श्री हेमन्त शर्मा सहित नगर के अनेक जनप्रतिनिधियों व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने शोक जताया।

श्री राम सिंह आर्य जी की स्मृति में ४ नवम्बर, २०२० को उम्मेद चौक स्थित गोलनाड़ी पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में आर्य विचारकों, आर्य वीरों, विभिन्न दलों के नेताओं एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यरूप से सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के महामंत्री श्री बिरजानन्द आर्य बहरोड़, आर्य युवक परिषद् हरियाणा के प्रधान ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य, उप सचेतक राजस्थान विधानसभा व प्रभारी मंत्री जोधपुर श्री महेन्द्र सिंह चौधरी, शहर काजी सैय्यद वाहिद अली, पार्षद् श्री योगेश गहलोत, श्री राम सिंह साँजू, पूर्व पार्षद् श्री करण सिंह, पूर्व सांसद श्री बद्रीराम जाखड़, पूर्व महापौर डॉ. ओम कुमारी गहलोत, पूर्व जी.डी.ए. अध्यक्ष श्री राजेन्द्र सोलंकी, श्री अनिल टाटिया, श्री नारायण सिंह आदि उपस्थित थे।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए जीवन-मृत्यु की दार्शनिक व्याख्या करते हुए कहा कि मृत्यु एक शाश्वत सत्य है और अपने सद्कर्मों द्वारा ही जीवन को सार्थक बनाना सम्भव है। उन्होंने कहा कि स्व. श्री राम सिंह आर्य जी ने अपने सद्कर्मों के

माध्यम से जीवन- पर्यन्त मानवता की सेवा कर मनुर्भव का बहुत सुन्दर उदाहरण प्रस्तुत किया है। संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी श्री राम सिंह आर्य जीवन-पर्यन्त महर्षि दयानन्द सरस्वती जी द्वारा चलाये गये अभियान को कठिन परिश्रम के साथ आगे बढ़ाते रहे। उन्होंने आर्य समाज द्वारा चलाये गये अनेकों आन्दोलनों जैसे सती प्रथा आन्दोलन, बंधु आ मुक्ति आन्दोलन, नाथद्वारा मंदिर प्रवेश आन्दोलन, शराब बन्दी आन्दोलन जैसे अनेकों आन्दोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उनके निधन से आर्य समाज की अपूर्णीय क्षति हुई है। वे मेरे अनन्य सहयोगी थे। अतः मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत गहरा ध क्का लगा है। उनकी आत्मा की सद्गति और पारिवारिकजनों को इस दारूण व्यथा को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की परमपिता परमात्मा से मैं प्रार्थना करता हूँ।

श्री राम सिंह आर्य जी की स्मृति में अनेकों स्थानों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया गया जिसमें जिला मुक्केबाजी बुशू एसोसिएशन द्वारा शहीद भगत सिंह, हाईफा हीरो स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनकी स्मृति में पौधारोपण भी किया गया। मंडोर में आर्य समाज परिसर में सर्वधर्म सभा का आयोजन किया गया जिसमें भारी संख्या में हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई धर्मगुरुओं ने भाग लेकर श्री राम सिंह जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। आर्य वीरदल जोधपुर की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में गणमान्य व्यक्तियों ने श्री राम सिंह आर्य की अनुकरणीय जीवन गाथा के क्षणों को साझा किया।

आर्य समाज शिवगंज में रविवार को शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री हरदेव आर्य ने अपने विचार व्यक्त किये। श्री सचिन शास्त्री ने श्री राम सिंह जी के जीवन पर प्रकाश डाला। सिटीजन सोसाईटी फॉर एजुकेशन की ओर से सिवाची गेट गढ़ी स्थित स्वामी कृष्णानन्द सभागार में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ों लोगों ने श्री राम सिंह आर्य जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

आर्य वीरदल और आर्य समाज जालौर के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें श्री दलपत सिंह आर्य, श्री शिवदत्त आर्य, श्री विनोद कुमार आर्य, श्री प्रशान्त सिंह आदि ने श्री रामसिंह आर्य के अपने उद्गार व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इसी प्रकार आर्य समाज बालोतरा, जिला-बाड़मेर, आर्य वीरदल पाली, आर्य समाज आदर्श नगर, जयपुर आदि स्थानों पर भी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्री अशोक आर्य कार्यकारी प्रधान महर्षि दयानन्द सत्यार्थ प्रकाश न्यास, उदयपुर, प्रो. विट्ठलराव आर्य मंत्री सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली, श्री आर. एस. तोमर अध्यक्ष सार्वदेशिक न्याय सभा, श्री अनिल आर्य उपप्रधान सार्वदेशिक सभा, नई दिल्ली, श्री रामानन्द प्रसाद आर्य, उप प्रधान बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा पटना, श्री गोविन्द सिंह भण्डारी प्रध ान आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड, श्री आर्य कुमार ज्ञानेन्द्र भुवनेश्वर, श्री विनय आर्य मंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, श्री अश्विनी शर्मा प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब, डॉ. वीरेन्द्र पंवार प्रबन्धक आर्य समाज हरिद्वार, स्वामी श्रद्धानन्द पलवल, स्वामी नित्यानन्द उपमंत्री सार्वदेशिक सभा, बेटी बचाओ अभियान की अध्यक्षा बहन पूनम आर्या एवं संयोजक बहन प्रवेश आर्या, स्वामी रामवेश जी अध्यक्ष नशाबन्दी परिषद् हरियाणा, श्री राम निवास आर्य पूर्व प्रधान आर्य युवक परिषद् हरियाणा, श्री हवा सिंह आर्य एडवोकेट प्रधान व श्री कमलेश आर्य मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान, डॉ. लक्ष्मणदास आर्य प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य भारत, श्री देवेन्द्र पाल वर्मा लखनऊ, श्री रमाकान्त सारस्वत अन्तरंग सदस्य सार्वदेशिक सभा, श्री जानकी प्रसाद शर्मा ध र्माचार्य आर्य समाज आदर्शनगर, जयपुर आदि ने भी अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि

आर्य प्रतिनिधि सभा आ.प्र. -तेलंगाना की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

आर्य जगत् के प्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री सत्यपाल जी पथिक के निधन से समस्त आर्य जगत् स्तब्ध हुआ। वे अपनी रचनाओं से सदैव आर्य जगत् को प्रेरित करते रहे हैं और उनकी अपनी रचनाओं की वजह से वे हमेशा याद किए जाते रहेंगे। उनके द्वारा रचित भजनों में आर्य मान्यताएं, मर्यादएं व सिद्धांत प्रचुर मात्रा में समाहित हैं। अपने भजनों के माध्यम से श्री पथिक जी निरंतर आर्य जनता में जागृति पैदा करने का काम करते रहे हैं तथा वैदिक सिद्धांतों को जनता में व्यापक रूप से लेजाने का प्रयास करते रहे हैं अतः यह हमेशा याद किए जाते रहेंगे। उन्हें आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर विनम्र श्रद्धांजलि

-प्रो. विट्ठल राव आर्य, प्रधान सभा

శ్రద్ధాంజలి

ఆర్య ప్రతినిధి సభ ఆ.ప్ర. -తెలంగాణ యొక్క ఉపమంత్రి మైన శ్రీ ఎం. కృష్ణ భగవాన్ గారి తల్లి శ్రీమతి వెంకటమ్మ గారి దేహావసానం.

ఆర్య ప్రతినిధి సభ ఆ.ప్ర. -తెలంగాణ పక్షాన కీ॥ శే॥ శ్రీమతి వెంకటమ్మ గారికి వినమ్ర శ్రద్ధాంజలి. శ్రీ కృష్ణ భగవాన్ గారు ఆర్య సమాజము నారాయణపేట్ సౌజన్యంతో నిర్వహించబడుచున్న దయానంద విద్యామందిర్ పాఠశాలలో ప్రధానాచార్యులుగా గత 30-35 సం॥రాల నుండి నిరంతరముగా సేవ అందించుచున్నారు. వీరి స్వగ్రామము మరికల మం॥ మరికల గ్రామము జిల్లా నారాయణపేట.

గత కొన్ని రోజులుగా వారి తల్లి అస్వస్థులుగా యుండిరి. 2 నవంబర్ 2020 స్వర్గస్థులైనారు. వారి వయస్సు 81 సం॥రాలు యుండింది.

Date of Publication 2nd and 17th of every Month, Date of Posting 3rd and 18th of every Month
आर्य जीवन 18-12-2020 Registered-Reg. No. HD/783/2018-20 RNI No. 52990/93

ఆర్య జీవన్
హిందీ-తెలుగు ద్విభాషా పక్ష పత్రిక
Editor : Sri Vithal Rao Arya, M.Sc., LL.B., Sahityaratna.
Arya Pratinidhi Sabha A.P.-Telangana, Sultan Bazar, Hyderabad-500095.
Phone No. : 040-66758707, 24753827, Fax : 040-24557946.
Annual Subscription Rs. 250/- సంపాదకులు : విఠల్ రావు ఆర్య, ప్రధాన సభ

To,

1. Secretary
Arya Pratinidhi Sabha, Delhi
15-Hanuman Road
New Delhi

आर्य जगत के भामाशाह, विश्वविख्यात समाजसेवी पद्मभूषण
महाशय धर्मपाल जी नहीं रहे
आर्य प्रतिनिधि सभा आ.प्र. -तेलंगाना की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि

आर्य समाज के महान दानवीर, प्रसिद्ध समाजसेवी, प्रतिष्ठत उद्योगपति एवं अनेकों संस्थाओं के संस्थापक एवं पोषक आदरणीय महाशय धर्मपाल जी का दिनांक ३ दिसम्बर, २०२० को प्रातःकाल ९८ वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह एक जाने-माने उद्योगपति होने के साथ ही महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के सिद्धान्तों के अनुरूप आर्य समाज के कार्यक्रमों एवं उसके द्वारा संचालित होने वाली आर्य संस्थाओं के लिए अपने सात्विक दान के रूप में लाखों रूपये की सहयोग राशियाँ जीवन पर्यन्त प्रदान करते रहे। वर्तमान में उनके द्वारा आर्य समाज की अनेक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग प्राप्त हो रहा था और कई संस्थाएँ उनके सहयोग से स्थापित हुई थीं। ऐसे दानवीर का हम सबके बीच से अचानक चले जाना राष्ट्र एवं आर्य समाज संगठन की अपूर्णीय क्षति है। परन्तु परमात्मा के नियम के समक्ष नतमस्तक होने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। आदरणीय महाशय धर्मपाल जी ने अपने अथक परिश्रम एवं पुरुषार्थ के बल पर पूरे विश्व में ख्याति प्राप्त की। वे व्यवसाय जगत में मसालों के बादशाह माने जाते थे और उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में करोड़ों रुपये दान देकर एक कीर्तिमान स्थापित किया। उन्हें आर्य समाज के भामाशाह की संज्ञा दी जाती थी। पाकिस्तान के सियालकोट से दिल्ली आकर उन्होंने जिस प्रकार से अपना व्यवसाय बढ़ाया, उसके उदाहरण बहुत कम मिलते हैं। आदरणीय महाशय जी के प्रति हम सबकी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि उनके द्वारा अपने सात्विक सहयोग के माध्यम से स्थापित आर्य संस्थाओं एवं आर्य समाजों के कार्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित करने में अपना सहयोग प्रदान करने का संकल्प लें।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने समस्त आर्य जगत की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महाशय धर्मपाल जी के निधन से आर्य समाज का एक ऐसा विशाल बट वृक्ष ढह गया है जिसकी छाया में अनेकों संस्थायें आश्रय पाती थीं। उनका निधन आर्य समाज के लिए गहरा आघात है। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति एवं सद्गति प्रदान करें तथा पारिवारिक जनों एवं शुभ चिन्तकों को इस असह्य आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आर्य समाज के प्रसिद्ध विद्वान्
आचार्य रामानन्द जी का असामयिक निधन

आर्य जगत के प्रसिद्ध एवं उच्चकोटि के मर्मज्ञ विद्वान् तथा आर्य समाज शिमला (हिमाचल प्रदेश) के प्रधान आचार्य रामानन्द जी का विगत दिनों असमय निधन हो गया है। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने आचार्य रामानन्द जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि आदरणीय आचार्य रामानन्द जी के साथ मेरी व्यक्तिगत रूप से निरन्तर आत्मीयता बनी रही तथा आर्य समाज एवं सार्वदेशिक सभा के निमित्त सदैव उनका विशेष सहयोग एवं योगदान मुझे प्राप्त होता रहा। वह आजीवन आर्य समाज एवं वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करते रहे। वैदिक सिद्धान्तों पर उनकी विद्वतापूर्ण प्रवचन एवं भाषण की शैली इस प्रकार की होती थी जिसे सुनकर श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो जाया करते थे। ऐसे योग्य विद्वान् का अचानक हम सबके बीच से चले जाना आर्य समाज, राष्ट्र एवं उनके परिवार की अपूर्णीय क्षति है। परन्तु परमात्मा के नियम के समक्ष नतमस्तक होने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। आदरणीय आचार्य जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति एवं सद्गति प्रदान करें तथा उनके पारिवारिक जनों एवं शुभचिन्तकों को इस असह्य कष्ट को सहन करने की शक्ति दें।

THE VIEWS & THE NEWS PUBLISHED IN THIS ISSUE MAY NOT NECESSARILY BE AGREEABLE TO THE EDITOR.
Editor : Sri Vithal Rao Arya • E-mail : acharyavithal@gmail.com, Mobile : 09849560691.

సంపాదకులు : శ్రీ విఠల్ రావు ఆర్య, ప్రధాన సభ, ఆర్య ప్రతినిధి సభ ఆ.ప్ర.-తెలంగాణ, సుల్తాన్ బజార్, హైదరాబాద్-95. Ph : 040-24753827, E-mail : acharyavithal@gmail.com
संपादक : श्री विट्ठल राव आर्य, प्रधान सभा ने सभा की ओर से आकृति प्रिन्टर्स, चिक्कड़पल्ली में मुद्रित करवा कर प्रकाशित किया।
प्रकाशक : आर्य प्रतिनिधि सभा, आं.प्र. -तेलंगाना, सुल्तान बाज़ार, हैदराबाद-500 095.